विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह (VIZHINJAM INTERNATIONAL SEAPORT)

श्रेणी: भूगोल

संदर्भ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल में विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन किया।

संदर्भ का दृष्टिकोण: यह भारत में पहली ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजना है, जिसे किसी राज्य सरकार द्वारा 18,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ शुरू किया गया है।

Learning Corner:

विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह – मुख्य तथ्य

- स्थान: विझिनजम, तिरुवनंतपुरम के पास, केरल
- विकास मॉडल: डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)।
- केरल सरकार की इसमें 61.5% हिस्सेदारी है, अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) 28.9% हिस्सेदारी के साथ इसका संचालन करता है तथा केंद्र सरकार की इसमें 9.6% हिस्सेदारी है।

सामरिक और परिचालन महत्व

- भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह: 24,000 टीईयू से अधिक के अल्ट्रा-बड़े कंटेनर जहाजों (यूएलसीएस) को संभालने के लिए डिजाइन किया गया।
- शिपिंग लेन से निकटता: यूरोप, फारस की खाड़ी और पूर्वी एशिया को जोड़ने वाले पूर्व-पश्चिम अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से सिर्फ 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है।
- देश में गहरे पानी के ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह के बिना, भारत का 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट कार्गो श्रीलंका में कोलंबो, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात में जेबेल अली जैसे विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से आता है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू व्यापारियों के लिए पारगमन समय और देरी बढ़ जाती है, जिससे उन्हें प्रति कंटेनर 80 से 100 डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है।
- प्राकृतिक गहराई: 24 मीटर की प्राकृतिक गहराई, जिससे ड्रेजिंग की आवश्यकता न्यूनतम हो जाती है।

स्रोत : [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

Learning Assessment:

Q1. विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विझिनजाम बंदरगाह भारत का एकमात्र प्राकृतिक गहरे पानी का बंदरगाह है।
2. इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के रूप में विकसित किया जा रहा है।
3. यह बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय पूर्व-पश्चिम शिपिंग मार्ग के निकट स्थित है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. 1, 2 और 3
- D. उपरोक्त में से कोई नहीं

Solution (C)

संरक्षण रिजर्व (CONSERVATION RESERVE)

श्रेणी: पर्यावरण

संदर्भ: कर्नाटक सरकार ने हाल ही में ग्रेटर हेसरघट्टा ग्रासलैंड कंजर्वेशन रिजर्व की अंतिम अधिसूचना जारी की।

संदर्भ का दृष्टिकोण: बेंगलुरु के निकट हेसरघट्टा का घास का मैदान क्षेत्र एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है तथा वनस्पतियों और जीवों की अनेक प्रजातियों का पोषण करता है, जिनमें से अनेक लुप्तप्राय हैं।

Learning Corner:

- भारत के संरक्षण रिजर्वों का नेटवर्क इसकी संरक्षित क्षेत्र प्रणाली में एक रणनीतिक वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, जो मौजूदा वन्यजीव आवासों को जोड़ने वाली भूमि को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों को सुरक्षित रखता है, या अद्वितीय पारिस्थितिकी प्रणालियों को संरक्षित करता है।
- वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा प्रस्तुत धारा 36ए राज्य सरकारों को स्थानीय समुदायों से परामर्श के बाद सरकारी स्वामित्व वाली भूमि को संरक्षण रिजर्व घोषित करने का अधिकार देती है।
- प्रबंधन: संरक्षण रिजर्व प्रबंधन समिति द्वारा देखरेख, जिसमें वन अधिकारी, स्थानीय पंचायत सदस्य, गैर सरकारी संगठन और कृषि/पशुपालन प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- सामुदायिक भूमिका: पारंपरिक गतिविधियों की अनुमति देना (जैसे, चराई, जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करना);

महत्व

- पर्यावास संपर्क: पर्यावास विखंडन को कम करने के लिए वन्यजीव गलियारे के रूप में कार्य करना।
- बफर जोन: मानवजनित दबाव से सुरक्षित क्षेत्र।
- सामुदायिक भागीदारी: घोषणा और प्रबंधन दोनों में स्थानीय भागीदारी को अनिवार्य बनाता है, तथा हितधारक स्वामित्व को बढ़ावा देता है।

- पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण: राष्ट्रीय उद्यानों या अभयारण्यों द्वारा कवर नहीं किए गए अद्वितीय आवासों (जैसे, घास के मैदान, आर्द्रभूमि) के संरक्षण को सक्षम बनाता है।

स्रोत : [द हिंदू](#)

Learning Assessment:

Q1. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षण रिजर्व के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इन्हें दो संरक्षित क्षेत्रों को जोड़ने वाली निजी भूमि पर घोषित किया जा सकता है।
2. घोषणा के लिए स्थानीय समुदायों के साथ परामर्श आवश्यक है।
3. प्रत्येक संरक्षण रिजर्व के लिए धारा 36बी के अंतर्गत एक प्रबंधन समिति का गठन अनिवार्य है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3

Solution (B)

रम्मण उत्सव (RAMMAN FESTIVAL)

श्रेणी: कला और संस्कृति

प्रसंग: हाल ही में उत्तराखंड में जीवंत एवं गहन आध्यात्मिक लोक त्योहार रम्माण मनाया गया।

संदर्भ का दृष्टिकोण: रंगमंच, संगीत, ऐतिहासिक पुनर्निर्माण और पारंपरिक मौखिक और लिखित कहानियों का संयोजन, रम्माण एक बहुआयामी सांस्कृतिक कार्यक्रम है जो समुदाय की पर्यावरणीय, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अवधारणा को दर्शाता है, इसके संस्थापक मिथकों को याद करता है और आत्म-सम्मान की भावना को मजबूत करता है।

Learning Corner:

- रम्माण एक धार्मिक त्योहार और अनुष्ठानिक रंगमंच है जो गढ़वाल हिमालय में उत्तराखंड के चमोली जिले के सलूर-डुंगरा नामक जुड़वां गांवों में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
- 2009 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में अंकित।
- यह इन गांवों के लिए अद्वितीय है तथा हिमालयी क्षेत्र में अन्यत्र ऐसा नहीं है।

प्रमुख विशेषताएँ

- समय: अप्रैल के अंत में आयोजित किया जाता है, आमतौर पर बैसाखी (संक्रांति) के 9वें या 11वें दिन, जो हिंदू सौर नव वर्ष और फसल के मौसम का प्रतीक है;
- अनुष्ठान: इसमें रामायण का पाठ, मुखौटा नृत्य और जागर (स्थानीय किंवदंतियों) का गायन शामिल है।
- देवता: यह गांव के देवता भूमियाल देवता (भूमिक्षेत्रपाल) को समर्पित है, जिसके मंदिर के प्रांगण में प्रदर्शन किया जाता है; देवता को जुलूस के साथ ले जाया जाता है और वे वर्ष भर गांव के चयनित घर में निवास करते हैं।

सांस्कृतिक महत्व

- सामुदायिक एकता: सभी जातियां भाग लेती हैं, जिससे सामाजिक सामंजस्य बढ़ता है; भूमिकाएं जाति-विशिष्ट होती हैं (उदाहरण के लिए, ब्राह्मण प्रार्थना का नेतृत्व करते हैं, भंडारी पवित्र नरसिंह मुखौटा पहनते हैं)।
- विरासत संरक्षण: 500 वर्ष से अधिक पुराने रम्माण में मौखिक, दृश्य और गतिज परंपराओं का मिश्रण है, जो माल नृत्य (ऐतिहासिक लड़ाई) और कूर्जोगी (सांप्रदायिक खरपतवार हटाने) जैसे प्रदर्शनों के माध्यम से गढ़वाली जीवन, आस्था और इतिहास को दर्शाता है।

स्रोत : [द स्टेट्समैन](#)

Learning Assessment:

Q1. रम्माण महोत्सव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. इसे यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के भाग के रूप में मान्यता दी गई है।
2. यह पूर्वी हिमालय के कई गांवों में मनाया जाता है।
3. इस उत्सव में अनुष्ठानिक रंगमंच, मुखौटा नृत्य और रामायण जैसे महाकाव्यों का पाठ शामिल होता है।
4. इस त्यौहार के दौरान पूजे जाने वाले मुख्य देवता भूमियाल देवता हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- A. केवल 1, 2 और 3
- B. केवल 1, 3 और 4
- C. केवल 2 और 4
- D. 1, 2, 3 और 4

Solution (B)

ऑपरेशन कगार (OPERATION KAGAR)

श्रेणी: राष्ट्रीय

संदर्भ: ऑपरेशन कगार के नतीजों पर चिंता व्यक्त करते हुए, सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी निर्दोष की जान न जाए।

संदर्भ का दृष्टिकोण: माओवादियों के सफाए के लिए केंद्र सरकार द्वारा ऑपरेशन कगार शुरू किया गया है।

Learning Corner:

- भारत का ऑपरेशन कगार एक बड़े पैमाने पर, बहु-एजेंसी आतंकवाद विरोधी पहल है जिसे 2024 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा "लाल गलियारे" में माओवादी (नक्सली) प्रभाव को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है, जो मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा और झारखंड में है।
- "कगार" का अर्थ चरमपंथी नेटवर्क को ध्वस्त करने का "अंतिम मिशन" है।
- इसमें 100,000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाता है - जिसमें सीआरपीएफ, कोबरा इकाइयां, जिला रिजर्व गार्ड और राज्य पुलिस शामिल हैं - जिन्हें ड्रोन, एआई-सक्षम निगरानी और उपग्रह इमेजरी द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- चार सूत्रीय रणनीति
 - विद्रोहियों के गढ़ों के भीतर अग्रिम परिचालन अड्डे स्थापित करना।
 - पुनः प्राप्त क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए किलेबंद पुलिस स्टेशन बनाना।
 - उच्च तकनीक निगरानी (ड्रोन, एआई एनालिटिक्स, उपग्रह इमेजरी) तैनात करना।
 - उदार आत्मसमर्पण नीति दल बदलने को प्रोत्साहित करती है।

स्रोत : [द हिंदू](#)

Learning Assessment:

Q1. हाल ही में समाचारों में देखे गए "ऑपरेशन कगार" के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह एक बहु-एजेंसी आतंकवाद विरोधी अभियान है जिसका उद्देश्य कई राज्यों में माओवादी नेटवर्क को ध्वस्त करना है।
2. यह कार्य केवल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों तक ही सीमित है।
3. इसमें ड्रोन और उपग्रह इमेजरी जैसी उन्नत निगरानी प्रौद्योगिकियों का उपयोग शामिल है।
4. ऑपरेशन कगार में माओवादी कार्यकर्ताओं को आत्मसमर्पण और पुनर्वास के विकल्प प्रदान करने वाला एक घटक शामिल है।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 1, 3 और 4
- C. केवल 2 और 3

D. 1, 2, 3 और 4

Solution (B)

निजी सदस्य विधेयक (PRIVATE MEMBER'S BILLS -PMBS)

श्रेणी: राजनीति

संदर्भ: भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया है कि निजी सदस्य विधेयक भारत के विधायी परिदृश्य के लिए "सोने की खान" के रूप में काम करते हैं, जो समकालीन मुद्दों के लिए दूरदर्शी समाधान प्रस्तुत करते हैं।

संदर्भ का दृष्टिकोण: स्वतंत्रता के बाद से अब तक केवल 14 पीएमबी पारित हुए हैं और उन्हें राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई है, तथा 1970 के बाद से कोई भी दोनों सदनों से पारित नहीं हो सका है।

18वीं लोकसभा में अब तक केवल 20 सांसदों ने पीएमबी पेश किए हैं। 2024 के उद्घाटन और बजट सत्र के दौरान, लोकसभा में 64 पीएमबी पेश किए गए, लेकिन एक पर भी चर्चा नहीं हुई।

Learning Corner:

- निजी बिल प्राइवेट मेंबर बिल एक विधायी प्रस्ताव है जिसे संसद सदस्य (एमपी) द्वारा पेश किया जाता है जो मंत्री नहीं होता है। ये बिल व्यक्तिगत एमपी के विचारों को दर्शाते हैं, न कि सरकार के विचारों को।

प्रमुख विशेषताएँ

- किसी ऐसे सांसद द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है जो मंत्री नहीं है (अर्थात निजी सदस्य)।
- इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में विधायी हस्तक्षेप करना है जिन पर सांसद को ध्यान देने की आवश्यकता महसूस होती है।
- सांसद द्वारा या कानूनी विशेषज्ञों की सहायता से तैयार किया गया।
- स्वीकार्यता का निर्णय पीठासीन अधिकारी (लोकसभा में अध्यक्ष, राज्य सभा में सभापति) द्वारा किया जाएगा।
- आवंटित समय: दोनों सदनों में शुक्रवार का दिन पीएमबी पर चर्चा के लिए आरक्षित है।

वर्ष	विधेयक /बिल	निम्न द्वारा प्रस्तुत	नतीजा
1956	हिंदू विवाह (संशोधन) विधेयक	आनंद नारायण मुल्ला	पारित - पहली बार पीएमबी कानून बना
1969	विधानमंडल की कार्यवाही (प्रकाशन संरक्षण) विधेयक	पीलू मोदी	पारित
2015	ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकार विधेयक	तिरुचि शिवा (राज्यसभा)	राज्यसभा में पारित (लोकसभा में नहीं) - बाद में सरकारी विधेयक बना

2019	विवाह में महिलाओं के अधिकार संरक्षण विधेयक	के.जे. अल्फोंस	पारित नहीं हुआ - वैवाहिक बलात्कार पर बहस छिड़ गई
------	--	----------------	--

प्रक्रिया

- नोटिस अवधि: किसी निजी सदस्य को कम से कम एक महीने का नोटिस देना होगा।
- इसके बाद विधेयक को प्रस्तुतीकरण के लिए सूचीबद्ध किया जाता है, जिसके बाद सरकारी विधेयकों की तरह चर्चा और मतदान होता है।
- शायद ही कभी पारित किया जाता है - ज्यादातर मुद्दों को उजागर करने, सरकार पर दबाव डालने या बहस शुरू करने के लिए उपयोग किया जाता है।

संवैधानिक एवं संसदीय प्रावधान

- अनुच्छेद 107: संसद में विधेयक प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को परिभाषित करता है।
- प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम (लोकसभा नियम 66-69; राज्य सभा नियम 62-67) पीएमबी से संबंधित हैं।

स्रोत : [द हिंदू](#)

Learning Assessment:

Q1. स्वतंत्र भारत में कानून बनने वाला पहला निजी सदस्य विधेयक किससे संबंधित था ?

- हिंदू विवाह अधिनियम संशोधन
- दलबदल विरोधी कानून
- लोकपाल विधेयक
- शिक्षा का अधिकार

Solution (A)